AUDIO

VIDEO Play

भजन

तर्ज–मेरा जीवन कोरा कागज

पिया तेरी रूहों को ये क्या हो गया
जो कहा था आपने वो सच हो गया

1–आपको तो सब पता था, होगी रुहों से भूल
आपसे फरामोश होगें ,तन हमारे मूल
सामने बैठे पिया तुम ,भूल हम गये

2–इतनी वाणी चर्चा सुनकर ,क्यों ना ले रहे
हर यतन से पिया रुहों को ,आप जगा रहे
वचन ऐसे जाग्रत है ,नींद ना रहे

3–खेल दिल से जब हटे तो,याद आये सुख धाम
सुध पड़े सनमधं की ,है धनी हमारे श्यामा श्याम
इस फना के खेल में, इक पल ना हम रहें